प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

7 सितंबर 2026

एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण का क्षेत्र-वार अभिनियोजन – जुलाई 2026

वर्ष 2026 के जुलाई माह के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्र-वार अभिनियोजन संबंधी आंकड़े, जो प्रमुख एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से जुटाए गए हैं, विवरण[1] में दिए गए हैं।

वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर, जुलाई 2026 में एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 10.6 प्रतिशत थी।

31 जुलाई 2026 को समाप्त माह के लिए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्र-वार अभिनियोजन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं:

- कृषि और संबद्ध कार्यकलापों हेतु प्रदत्त ऋण में जुलाई 2026 में 18.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 5.4 प्रतिशत थी।

- उद्योग क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में जुलाई 2026 में 7.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की बढ़ोतरी हुई, जो जुलाई 2025 में 9.3 प्रतिशत थी। इस वृद्धि में आई कमी की मुख्य वजह 'आधारभूत संरचना' क्षेत्र में आई धीमी वृद्धि थी, जो इस क्षेत्र का एक प्रमुख घटक है।

- सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की वृद्धि जुलाई 2026 में कम होकर 15.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रह गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 24.5 प्रतिशत थी। जहां, 'वाणिज्यिक स्थावर संपदा' क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में तेजी से विस्तार हुआ, वहीं 'व्यापार' और 'परिवहन परिचालक' क्षेत्रों में धीमी ऋण वृद्धि देखी गई।

- खुदरा ऋणों की वृद्धि जुलाई 2026 में बढ़कर 21.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 13.7 प्रतिशत थी। खुदरा ऋणों में, 'आवास' और 'स्वर्ण आभूषण के बदले ऋण' क्षेत्रों में ऋण वृद्धि में तेजी देखी गई, वहीं 'वाहन ऋण' में स्थिर वृद्धि बनी रही।

अजीत प्रसाद
उप महाप्रबंधक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2026-2027/1058

---

[1] ये अनंतिम आंकड़े हैं, जो माह के अंतिम दिन को रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार हैं। एनबीएफसी के क्षेत्रवार ऋण संबंधी आंकड़े (i) अपर एवं मिडिल लेयर की एनबीएफसी, और (ii) एचएफसी के सैम्पल पर आधारित हैं, जो 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25' (आरटीपी 2024-25, सितंबर 2025 को यथास्थिति बकाया) में प्रकाशित डेटा के संबंध में कुल ऋण का लगभग 87 प्रतिशत होता है।